गायत्री संग्रहः

Compilation of 232 Gayathri Mahamanthras from Thanjai Saraswati Mahal Publications, Mantra Maharnava, LIFCO, etc. etc.

V. S. Devanarayanan
125 United India Apartments
18, Mayur Vihar Phase-I Extn.
DELHI-110 091.
Phone: (011) 2718806, 2715561

JULY 31, 1999



CONTENTS

Collected and Compiled :

V. S. D. Narayanan
125 United India Apts.
18, Mayur Vihar Phase I Extension
DELHI - 110 091. PH: 2718806, 2715561

31 - JULY 1999

1

1. गणेश गायत्री :

1. ॐ वक्रतुण्डाय विद्महे लंबोदराय धीमहि।
तन्नो दन्तिः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ तत्पुरुषाय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि।
तन्नो दन्तिः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ वक्रतुण्डाय विद्महे शूर्पकर्णाय धीमहि।
तन्नो दन्तिः प्रचोदयात् ॥

4. ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि।
तन्नो दन्ती प्रचोदयात् ॥

5. ॐ एक दंष्ट्राय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि।
तन्नो विघ्नः प्रचोदयात् ॥

2. गुरु (बृहस्पति) गायत्री : (ॐ हुं सं क्रां सौः गुरुदेव परमात्मने नमः)

1. ॐ परवरेसाय विद्महे गुरु व्यक्ताय धीमहि।
तन्नो गुरुः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ परवरेशाय विद्महे गुरु व्यक्ताय धीमहि।
तन्नो गुरुः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ गुरुदेवाय विद्महे परम गुरुभ्यो धीमहि।
तन्नो गुरुः प्रचोदयात् ॥

4. ॐ गुरु देवाय विद्महे परब्रह्माय धीमहि।
तन्नो गुरुः प्रचोदयात् ॥

5. ॐ वृषभ ध्वजाय विद्महे कृणि हस्ताय धीमहि।
तन्नो गुरुः प्रचोदयात् ॥

3. ब्रह्म गायत्री :

ॐ भूर्भुवस्स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यम्। भर्गो देवस्य

धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

4. परब्रह्म गायत्री :

1. ॐ परमेश्वराय विद्महे परतत्वाय धीमहि।
   तन्नो ब्रह्म प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मदेव 2. ॐ हंसारूढाय विद्महे कूर्च हस्ताय धीमहि।
   तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥

परब्रह्म 3. ॐ वेदात्मनाय विद्महे हिरण्य गर्भाय धीमहि।
   तन्नो ब्रह्मः प्रचोदयात् ॥

ब्रह्मदेव 4. ॐ चतुर्मुखाय विद्महे पद्मासनाय धीमहि।
   तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ॥

5. मही गायत्री :

ॐ भूः, ॐ भुवः, ओऽम् सुवः, ॐ महः, ॐ जनः, ॐ तपः, ओऽम् सत्यं, ॐ तत्सवितुर्वरेण्यम्। भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

6. प्रणव गायत्री :

1. ॐ ओंकाराय विद्महे भवताराय धीमहि।
   तन्नः प्रणवः प्रचोदयात् ॥
2. ॐ भूः, ॐ भुवः, ओऽम् सुवः, ॐ महः, ॐ जनः, ॐ तपः, ओऽम् सत्यं। ॐ तत्सवितुर्वरेण्यम्। भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

7. नारायण गायत्री : (ॐ ह्रीं श्रीं श्रीमन् नारायणाय नमः)

1. ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
   तन्नो नारायणः प्रचोदयात् ॥
2. ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
   तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ विष्णु देवाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

4. ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

5. ॐ त्रैलोक्य मोहनाय विद्महे आत्मारामाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

6. ॐ श्री कृष्णाय विद्महे दामोदराय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ॥

8. कृष्ण गायत्री : (ॐ क्लीं कृष्णाय नमः)

1. ॐ देवकी नन्दनाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ दामोदराय विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ दामोदराय विद्महे रुक्मिणी वल्लभाय धीमहि।
तन्नो कृष्णः प्रचोदयात् ॥

4. ॐ गोपी जनाय विद्महे गोपीवल्लभाय धीमहि।
तन्नः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

5. ॐ गोविन्दाय विद्महे गोपी वल्लभाय धीमहि।
तन्नः कृष्णः प्रचोदयात् ॥

9. गोपाल गायत्री : (ॐ गोपालाय गोचराय वंश शब्दाय नमो नमः)

ॐ गोपालाय विद्महे गोपीजनवल्लभाय धीमहि।
तन्नो गोपालः प्रचोदयात् ॥

विप्र :—

10. परशुराम गायत्री : (ॐ रां रां ॐ रां रां ॐ परशुहस्ताय नमः)

ॐ जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि।
तन्नः (परशु) रामः प्रचोदयात् ॥

DEVAN

11. राम गायत्री : (ॐ ह्रां ह्रीं रां-रामाय नमः)

1. ॐ दाशरथाय विद्महे सीतावल्लभाय धीमहि।
   तन्नो रामः प्रचोदयात्॥

2. ॐ दाशरथये विद्महे सीतावल्लभाय धीमहि।
   तन्नो रामः प्रचोदयात्॥

3. ॐ दाशरथये विद्महे सीतावराय धीमहि। तन्नो रामः प्रचोदयात्॥

12. नृसिम्ह गायत्री : (ॐ नं नृं नं नृसिम्हाय नमः)

1. ॐ वज्रनखाय विद्महे तीक्ष्ण दंष्ट्राय धीमहि।
   तन्नो नारसिंहः प्रचोदयात्॥

2. ॐ वज्रनखाय विद्महे तीक्ष्णदंष्ट्राय धीमहि।
   तन्नो नृसिंहः प्रचोदयात्॥

3. ॐ नृसिंहाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि।
   तन्नः सिंहः प्रचोदयात्॥

4. ॐ उग्र नृसिंहाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि।
   तन्नो नृसिंहः प्रचोदयात्॥

5. ॐ क्ष्रौं नृसिम्हाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि।
   तन्नो नृसिंहः प्रचोदयात्॥

भरत गायत्री - ॐ दाशरथाय विद्महे मांडवीवल्लभाय धीमहि।
तन्नो भरतः प्रचोदयात्॥

13. लक्ष्मण गायत्री : (ॐ ह्रां ह्रीं रां रां लं - लक्ष्मणाय नमः)

1. ॐ दाशरथाय विद्महे ऊर्मिलेशाय धीमहि।
   तन्नो लक्ष्मणः प्रचोदयात्॥

2. ॐ दाशरथये विद्महे अलबेलाय धीमहि।
   तन्नो लक्ष्मणः प्रचोदयात्॥

14. लक्ष्मी हयग्रीव गायत्री :

ॐ वागीश्वराय विद्महे हयग्रीवाय धीमहि।
तन्नो हंसः प्रचोदयात्॥

शत्रुघ्न गायत्री - दाशरथाय विद्महे श्रुतिकीर्तिवल्लभाय धीमहि।
... प्रचोदयात्॥

19. श्री विश्वक्सेना (वैष्णव विनायक) गायत्री :

ॐ विश्वक्सेनाय विद्महे वेत्र हस्ताय धीमहि।
तन्नो विश्वक्सेन: प्रचोदयात्॥

20. श्री श्रीनिवास (बालाजी -वेंकटाचलपति) गायत्री :

ॐ निरञ्जनाय विद्महे निराभासाय धीमहि।
तन्नो श्रीनिवास: प्रचोदयात्॥

21. सुदर्शन गायत्री :

ॐ सुदर्शनाय विद्महे महाज्वालाय धीमहि।
तन्न: (तन्नो) चक्र: प्रचोदयात्॥

22. शंख गायत्री :

ॐ पाञ्चजन्याय विद्महे पावमानाय धीमहि।
तन्न: शंख: प्रचोदयात्॥

23. अनन्त गायत्री :

ॐ सर्पराजाय विद्महे नागराजाय धीमहि।
तन्नोऽनन्त: प्रचोदयात्॥

24. मन्त्र गायत्री :

1. ॐ मन्त्र राजाय विद्महे महामन्त्राय धीमहि।
तन्नो मंत्र: प्रचोदयात्॥

2. ॐ मंत्र राजाय विद्महे वरप्रदाय धीमहि।
तन्नो मंत्र: प्रचोदयात्॥

25. यन्त्र गायत्री :

सर्व सिध्दाय

1. ॐ यंत्र राजाय विद्महे [महा यंत्राय] धीमहि।
तन्नो यंत्र: प्रचोदयात्॥

2. ॐ यंत्र राजाय विद्महे वर प्रदाय धीमहि।
तन्नो यन्त्रः प्रचोदयात् ॥

26. मन्मथ गायत्री :

1. ॐ कामदेवाय विद्महे पुष्पबाणाय धीमहि।
तन्नोऽनंगः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ मन्मथेशाय विद्महे काम देवाय धीमहि।
तन्नोऽनङ्गः प्रचोदयात् ॥

27. कुबेर गायत्री :

ॐ यक्षराजाय विद्महे वैश्रवणाय धीमहि।
तन्नः कुबेरः प्रचोदयात् ॥
यक्षेश्वराय विद्महे, गदाहस्ताय धीमहि, तन्नो वैश्रवणः प्रचोदयात्।

28. शास्तृ (शास्ता) गायत्री :

1. ॐ भूताधिपाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नः शास्ता प्रचोदयात् ॥

2. ॐ गज ध्वजाय विद्महे सृणि हस्ताय धीमहि।
तन्नः शास्ता प्रचोदयात् ॥
भूतनाथाय विद्महे, भवपुत्राय धीमहि। तन्नः शास्ता: प्रचोदयात् ।।

29. कार्तवीर्यार्जुन गायत्री :

ॐ कार्तवीर्याय विद्महे महावीर्याय धीमहि।
तन्नोऽर्जुनः प्रचोदयात् ॥

30. मयूर गायत्री :

ॐ पक्षिराजाय विद्महे शुक्लपादाय धीमहि।
तन्नः शिखी प्रचोदयात् ॥

31. गज (ऐरावत) गायत्री :

ॐ श्वेत वर्णाय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहिं।
तन्नो गजः प्रचोदयात् ॥

DEVAN

32. इन्द्र (लोकपाल) गायत्री :

1. ॐ तत्पुरुषाय विद्महे सहस्राक्षाय धीमहि।
तन्न इन्द्रः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ देवराजाय विद्महे वज्र हस्ताय धीमहि।
तन्नः शक्रः प्रचोदयात् ॥

33. ज्वर (ज्वरहर) गायत्री :

1. ॐ भस्मायुधाय विद्महे एकदंष्ट्राय धीमहि।
तन्नो ज्वरः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ भस्मायुधाय विद्महे रक्त नेत्राय [त्रिशूल हस्ताय] धीमहि।
तन्नो ज्वरहरः प्रचोदयात् ॥

34. अग्नि गायत्री : (ॐ अं अं अग्नये नमः)

1. ॐ लालीलाय विद्महे वैश्वानराय धीमहि।
तन्नोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ वैश्वानराय विद्महे लालीलाय धीमहि।
तन्नोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ महाज्वालाय विद्महे अग्नि मथनाय (मदन्याय) धीमहि
तन्नोऽग्निः प्रचोदयात् ॥

4. ॐ महाज्वालाय विद्महे अग्नि मथनाय धीमहि।
तन्नोऽनलः प्रचोदयात् ॥

5. ॐ देवीमणौ विद्महे महाशक्ति च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात् ॥

6. ॐ देव्यै ब्रह्माण्यै विद्महे महाशक्त्यै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात् ॥

7. ॐ सप्त जिह्वाय विद्महे हव्य पात्राय धीमहि।
तन्नो अग्निः प्रचोदयात् ॥

8. ॐ रुद्र नेत्राय विद्महे शक्ति हस्ताय धीमहि।
तन्नो अग्निः प्रचोदयात्॥

35. यम गायत्री :

ॐ वैवस्वताय विद्महे दण्ड हस्ताय धीमहि।
तन्नो यमः प्रचोदयात्॥

36. निर्ऋति गायत्री :

(रक्षोधिपाय) ॐ निशाचराय विद्महे खड्ग हस्ताय धीमहि।
तन्नो निर्ऋतिः प्रचोदयात्॥

37. वरुण गायत्री : ~~जुंबकाय विद्महे पाशहस्ताय धीमहि, तन्नो वरुणः प्रचो~~
(जलाधिपाय) ॐ पश्चिमेशाय विद्महे पाश हस्ताय धीमहि।
तन्नो वरुणः प्रचोदयात्॥
जलबिम्बाय विद्महे नीलपुरुषाय धीमहि। तन्नस्त्वम्बु: प्रचोदयात्॥

38. वायु (पवन) गायत्री : (ॐ पंपं ॐ वांवां ॐ युंयुं ॐ पवनपुरुषाय नमः)

1. ॐ पवन पुरुषाय विद्महे सहस्र मूर्तये धीमहि।
तन्नो वायुः प्रचोदयात्॥

2. ॐ पवन पुरुषाय विद्महे सहस्र मूर्तये च धीमहि।
तन्नो वायुः प्रचोदयात्॥

3. ॐ विश्वात्मनाय विद्महे महिस्य सरूपाय धीमहि।
तन्नो वायुः प्रचोदयात्॥

4. ॐ जगत्प्राणाय विद्महे ध्वज हस्ताय धीमहि।
तन्नो वायुः प्रचोदयात्॥

39. ईशान गायत्री :

ॐ भस्मायुधाय विद्महे तीक्ष्ण दंष्ट्राय धीमहि।
तन्नः शिवः प्रचोदयात्॥

40. पृथ्वी गायत्री : (ॐ भूरसि भूतादिरसि विश्वस्य छाया भुवनस्य माहिःसी नमः

1. ॐ पृथ्वी देव्यै विद्महे सहस्रमूर्तये धीमहि ।
तन्नः पृथ्वी प्रचोदयात् ॥

2. ॐ पृथ्वी देव्यै च विद्महे सहस्र मूर्त्यै च धीमहि ।
तन्नो मही प्रचोदयात् ॥

3. ॐ पृथ्वी देव्यै विद्महे सहस्र मूर्त्यै धीमहि ।
तन्नः पृथ्वी प्रचोदयात् ॥

4. ॐ पृथ्वी देव्यै च विद्महे वसुन्धरायै धीमहि ।
तन्नः पृथ्वी प्रचोदयात् ॥

41. जल गायत्री : (ॐ जं जं ॐ वं वं ॐ लं लं ॐ जल बिंबाय नमः)

1. ॐ जल बिम्बाय विद्महे नील पुरुषाय धीमहि ।
तन्नो अम्बु प्रचोदयात् ॥

2. ॐ जल बिम्बाय विद्महे नील पुरुषाय धीमहि ।
तन्न स्त्वम्बु प्रचोदयात् ॥

3. ॐ जीव देवाय विद्महे कन्दर्प कलायै धीमहि ।
तन्नो जलं प्रचोदयात् ॥

42. आकाश गायत्री : (ॐ गं गं ॐ नं नं ॐ आं आं ॐ गगनाय नमः)

1. ॐ आकाशाय विद्महे नभयाय धीमहि ।
तन्नो गगन प्रचोदयात् ॥

2. ॐ आकाशाय विद्महे नभो देवाय धीमहि ।
तन्नो गगनं प्रचोदयात् ॥

3. ॐ आकाशाय च विद्महे नभोदेवाय धीमहि ।
तन्नो गगनं प्रचोदयात् ॥

4. ॐ षें व्यापकाय विद्महे गगनाय धीमहि।
तन्नो आकाश: प्रचोदयात्॥

5. ॐ हं व्यापकाय विद्महे गगनाय धीमहि।
तन्न आकाश: प्रचोदयात्॥

43. भैरव गायत्री : शूलहस्ताय विद्महे, श्वान वाहाय धीमहि, तन्नो भैरव: प्रचोदयात्।

1. ~~ॐ दिगंबराय विद्महे दीर्घ सिष्णाय धीमहि। तन्नो भैरव: प्रचोदयात्॥~~

2. ॐ दिगंबराय विद्महे दीर्घ शिश्नाय धीमहि।
तन्नो भैरव: प्रचोदयात्॥

44. स्वर्णाकर्षण भैरव गायत्री :

ॐ भैरवाय विद्महे हरिहरब्रह्मात्मकाय धीमहि।
तन्न: स्वर्णाकर्षण भैरव: प्रचोदयात्॥

45. क्षेत्रपाल गायत्री :

ॐ श्वान ध्वजाय विद्महे शूल हस्ताय धीमहि।
तन्न: क्षेत्री प्रचोदयात्॥

46. सूर्य गायत्री : (ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्र: ॐ विष्णु तेजसे ज्वाला-मणि कुण्डलाय नम:)

1. ॐ भास्कराय विद्महे महद् द्युतिकराय धीमहि।
तन्न: सूर्य: प्रचोदयात्॥

2. ॐ भास्कराय विद्महे महद् द्युतिकराय धीमहि।
तन्न: (तन्नो) आदित्य: प्रचोदयात्॥

3. ॐ भास्कराय विद्महे दिवाकराय धीमहि।
तन्न: सूर्य: प्रचोदयात्॥

4. ॐ भास्कराय विद्महे महा द्योत: चक्राय धीमहि।
तन्न: सूर्य: प्रचोदयात्॥

5. सप्ततुरंगाय विद्महे सहस्रकिरणाय धीमहि। तन्न: सूर्य प्रचोदयात्॥

DEVAN

5. ॐ भास्कराय विद्महे महा ज्योति श्चकाय धीमहि।
तन्न स्सूर्यः प्रचोदयात् ॥

6. ॐ भास्कराय विद्महे महा तेजाय धीमहि।
तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥

7. ॐ आदित्याय विद्महे मार्तण्डाय धीमहि।
तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥

8. ॐ पद्म हस्ताय विद्महे रथा रूढाय धीमहि।
तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥

9. ॐ अश्व ध्वजाय विद्महे पद्म हस्ताय धीमहि।
तन्नः सूर्यः प्रचोदयात् ॥

10. ॐ अश्व ध्वजाय विद्महे पाश हस्ताय धीमहि।
तन्न स्सूर्यः प्रचोदयात् ॥

47. चन्द्र (सोम) गायत्रीः (ॐ चन्द्रत्वां चन्द्रेण क्रीणामि शुक्रेण मृत-ममृतेन गोरस्मोरते चांद्राणि)

1. ॐ क्षीरपुत्राय विद्महे अमृत (म)याय धीमहि।
तन्न श्चन्द्रः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ क्षीर पुत्राय विद्महे अमृत तत्वाय धीमहि।
तन्न श्चन्द्रः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ पद्म ध्वजाय विद्महे हेम रूपाय धीमहि।
तन्न स्सोम प्रचोदयात् ॥

4. अमृतांगाय विद्महे, कलारूपाय धीमहि। तन्नः सोमः प्रचोदयात् ॥

48. अंगारक (भौम) गायत्रीः (ॐ अं- अंगारकाय नमः)

1. ॐ अंगारकाय विद्महे शक्ति हस्ताय धीमहि।
तन्नो भौमः प्रचोदयात् ॥

2. ॐ वीर ध्वजाय विद्महे विघ्न हस्ताय धीमहि।
तन्नो भौमः प्रचोदयात् ॥

49. बुध गायत्री :

ॐ गजध्वजाय विद्महे शुक हस्ताय धीमहि।
तन्नो बुधः प्रचोदयात्॥
ॐ सौम्यरूपाय विद्महे, बाणेशाय धीमहि।
तन्नः सौम्यः प्रचोदयात्॥

50. बृहस्पति गायत्री :

ॐ वृषभ ध्वजाय विद्महे कृणि हस्ताय धीमहि। (घृणि)
तन्नो गुरुः प्रचोदयात्॥
आंगिरसाय विद्महे, दिव्य देहाय धीमहि। तन्नो जीवः प्रचोदयात्

51. शुक्र (भृगु) गायत्री :

ॐ अश्व ध्वजाय विद्महे धनु हस्ताय धीमहि।
तन्नः शुक्रः प्रचोदयात्॥

52. शनैश्चर गायत्री :

1. ॐ वैवस्वताय विद्महे पङ्गु पादाय धीमहि।
तन्नो मन्दः प्रचोदयात्॥

2. ॐ काक ध्वजाय विद्महे खड्ग हस्ताय धीमहि।
तन्नो मन्दः प्रचोदयात्॥

53. राहु गायत्री : सैंहिकेयाय विद्महे तमोमयाय धीमहि। तन्नो राहुः प्रचोदयात्

1. ॐ नाग ध्वजाय विद्महे पद्म हस्ताय धीमहि।
तन्नो राहुः प्रचोदयात्॥
शिरोरूपाय विद्महे, अमृतेशाय धीमहि। तन्नो राहुः प्रचोद

54. केतु गायत्री :

ॐ अश्व ध्वजाय विद्महे शूल हस्ताय धीमहि।
तन्नः केतुः प्रचोदयात्॥
ॐ पद्मपुत्राय विद्महे, अमृतेशाय धीमहि। तन्नः केतुः प्रचो
ब्रह्मपुत्राय विद्महे धूम्रवर्णाय धीमहि। तन्नः केतुः प्रचोदयात्।

DEVAN

55. रुद्र (शिव) गायत्री : (ॐ सं सं सं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॐ शिवाय नमः)

1. ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥

2. ॐ महादेवाय विद्महे रुद्र मूर्तये धीमहि।
तन्नः शिवः प्रचोदयात्॥

3. ॐ तन्महेशाय विद्महे वाग्विशुद्धाय धीमहि।
तन्नः शिवः प्रचोदयात्॥

4. ॐ पुरुषस्य विद्म सहस्राक्षस्य महादेवस्य धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥

56. दक्षिणा मूर्ति गायत्री :

1. ॐ दक्षिणामूर्तये (च) विद्महे ध्यानस्थाय धीमहि।
तन्नो धीशः प्रचोदयात्॥

57. दत्तात्रेय गायत्री :

1. ॐ दत्तात्रेयाय विद्महे दिगंबराय धीमहि।
तन्नो दत्तः प्रचोदयात्॥

2. ॐ दिगंबराय विद्महे योगारूढाय धीमहि।
तन्नो दत्तः प्रचोदयात्॥

58. पशु (पति) गायत्री :

1. ॐ पशुपतये विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो पशुय प्रचोदयात्॥

2. ॐ पशुपतये विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नः पशुषः प्रचोदयात्॥

59. वृषभ गायत्री :

ॐ तीक्ष्ण श्रृंगाय विद्महे वेद पादाय धीमहि।
तन्नो वृषः प्रचोदयात्॥

६०. नन्दी गायत्री :

१. हरिवक्त्राय विद्महे रुद्रवक्त्राय धीमहि।
तन्नो नन्दी प्रचोदयात्॥

२. ॐ तत्पुरुषाय विद्महे चक्रतुण्डाय धीमहि।
तन्नो नन्दिः प्रचोदयात्॥

वृष गायत्री - तीक्ष्ण शृंगाय विद्महे वेदपादाय धीमहि। तन्नो-
-- वृषः प्रचोदयात्॥

६१. चण्डेश्वर गायत्री :

१. ॐ टंकहस्ताय विद्महे शिवचित्ताय धीमहि।
तन्न श्चण्डः प्रचोदयात्।

२. ॐ चण्ड चण्डाय विद्महे चण्डेश्वराय धीमहि।
तन्न श्चण्डः प्रचोदयात्॥

६२. षण्मुख (स्कन्द) गायत्री :

१. ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महासेनाय धीमहि।
तन्नः षण्मुखः प्रचादयात्॥

२. ॐ महासेनाय विद्महे षडाननाय धीमहि।
तन्नः स्कन्दः प्रचोदयात्॥

६३. हंस (परमहंस) गायत्री : (ॐ सोऽहं सोऽहं परो रजसे सावदोम्)

१. ॐ हंस हंसाय विद्महे परमहंसाय धीमहि।
तन्नो हंसः प्रचोदयात्॥

२. ॐ हंस हंसाय विद्महे सोऽहं हंसाय धीमहि।
हंसः सोऽहं प्रचोदयात्॥

३. ॐ हंसा हंसाय विद्महे सोऽहं हंसाय धीमहि।
तन्नो हंसः प्रचोदयात्॥

4. ॐ हंसो हंसस्य विद्महे हंसो हंसस्य धीमहि।
हंसो हंसः प्रचोदयात्॥

5. ॐ सोऽहं हंसः परमहंसः तत्वमसि। अहं ब्रह्मास्मि
सोऽहं ब्रह्माहम्॥ (गौरी परमहंस गायत्री)

6. ॐ हंसो हंसः परमात्मा चिन्मयः। सच्चिदानन्द
स्वरूपः। सोऽहं ब्रह्म ॐ॥ (सच्चिदानन्द परमहंस गायत्री)

7. ॐ परमहंसाय विद्महे महा हंसाय धीमहि।
तन्नो हंसः प्रचोदयात्॥

8. ॐ परमहंसाय विद्महे महा तत्वाय धीमहि।
तन्नो हंस प्रचोदयात्॥

9. ॐ परम हंसाय विद्महे महा तत्वात्येत्येन धीमहि।
तन्नो हंसः प्रचोदयात्॥

64. गौरी गायत्रीः (ॐ क्लीं ॐ गौं गौरीभ्यो नमः)

1. ॐ महा देवी च विद्महे रुद्र पत्नी च धीमहि।
तन्नो गौरी प्रचोदयात्॥

2. ॐ सुभगायै विद्महे काम मालायै धीमहि।
तन्नो गौरी प्रचोदयात्॥

3. ॐ सुभगायै विद्महे काम मालिन्यै धीमहि।
तन्नो गौरी प्रचोदयात्॥

4. गणाम्बायै विद्महे महातपायै च धीमहि।
तन्नो गौरीः प्रचोदयात्॥

65. देवी गायत्रीः (ॐ ह्रां श्रीं क्लीं नमः)

1. ॐ देव्यै ब्रह्माण्यै विद्महे महा शक्त्यै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

2. ॐ देवी मणी विद्महे महा शक्ति धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

६६. भैरवी गायत्रीः

ॐ त्रिपुरायै च विद्महे भैरव्यै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

६७. दुर्गा गायत्रीः

1. ॐ कात्यायनाय विद्महे कन्यकुमारि धीमहि।
तन्नो दुर्गिः प्रचोदयात्॥

2. ॐ कात्यायन्यै च विद्महे कन्याकुमार्यै धीमहि।
तन्नो दुर्गा प्रचोदयात्॥

3. ॐ कात्यायनीय विद्महे कन्याकुमार्यै धीमहि।
तन्नो दुर्गा प्रचोदयात्॥

4. ॐ महा देव्यै च विद्महे दुर्गायै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

६८. जय दुर्गा गायत्रीः

1. ॐ महा देव्यै च विद्महे दुर्गायै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

2. ॐ नारायण्यै विद्महे दुर्गायै च धीमहि।
तन्नो गौरी प्रचोदयात्॥

3. ॐ नारायण्यै च विद्महे दुर्गायै च धीमहि।
तन्नो गौरी प्रचोदयात्॥

६९. कामेश्वरी गायत्रीः

ॐ क्लीं त्रिपुरादेव्यै विद्महे कामेश्वर्यै धीमहि।
तन्नः क्लिन्ने (क्लिन्ना) प्रचोदयात्॥

७०. शक्ति गायत्री :

ॐ सर्व सम्मोहिन्यै विद्महे विश्व जनन्यै धीमहि।
तन्नः शक्तिः प्रचोदयात्॥

७१. धरा (श्री भूमि देवि) गायत्री :

ॐ धनु र्धरायै विद्महे सर्व सिद्ध्यै च धीमहि।
तन्नो धरा प्रचोदयात्॥

७२. अन्नपूर्णा गायत्री :

ॐ भगवत्यै च विद्महे माहेश्वर्यै च धीमहि।
तन्नोऽन्नपूर्णा प्रचोदयात्॥

७३. काली गायत्री :

1. ॐ कालिकायै विद्महे श्मशान वासिन्यै धीमहि।
तन्नोऽघोरा प्रचोदयात्॥

2. ॐ कालिकायै च विद्महे श्मशान वासिन्यै धीमहि।
तन्नोऽघोरा प्रचोदयात्॥

७४. चामुण्डा गायत्री :

ॐ पिशाच ध्वजायै विद्महे शूल हस्तायै धीमहि।
तन्नः काली प्रचोदयात्॥

७५. चण्डी गायत्री :

ॐ चण्डीश्वरी च विद्महे महा देवी च धीमहि।
तन्न श्चण्डी प्रचोदयात्॥

७६. महिष मर्दिनि गायत्री :

ॐ महिष मर्दिन्यै विद्महे दुर्गायै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

77. चण्डेश्वरी गायत्री :

ॐ अब्ज हस्तायै विद्महे गौरी चित्तायै धीमहि।
तन्न श्चण्डी प्रचोदयात् ॥

78. लक्ष्मी गायत्री : (ॐ क्लीं श्रीं श्रीं लक्ष्मी देव्यै नमः)

1. ॐ महा देव्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मी : प्रचोदयात् ॥
2. ॐ महालक्ष्मी च विद्महे विष्णुपत्नी च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मी : प्रचोदयात् ॥
3. ॐ महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मी : प्रचोदयात् ॥
4. ॐ महादेव्यै च विद्महे सर्व सिद्ध्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मी : प्रचोदयात् ॥
5. ॐ लक्ष्मी : भू र्भुवः लक्ष्मी स्स्वः कालकम्।
तन्नो महालक्ष्मी : प्रचोदयात् ॥
6. ॐ भूर्लक्ष्मी र्भुवर्लक्ष्मी : स्वर्लक्ष्मी : कालकर्णी।
तन्नो महा लक्ष्मी : प्रचोदयात् ॥

79. ज्येष्ठा लक्ष्मी गायत्री :

ॐ रक्त ज्येष्ठायै विद्महे नील ज्येष्ठायै धीमहि।
तन्नो लक्ष्मी: प्रचोदयात् ॥

80. तुलसी गायत्री :

1. ॐ तुलसीयाय विद्महे त्रिपुरारीयाय धीमहि।
तन्न स्तुलसी प्रचोदयात् ॥
2. ॐ श्री त्रिपुराय विद्महे तुलसी पत्राय धीमहि।
तन्न स्तुलसी प्रचोदयात् ॥

81. कत्र श्याम (कर्त्र श्याम) गायत्री :

1. ॐ कर्त्रे स्कन्धाय विद्महे कर्त्रे श्यामाय धीमहि।
तन्नः कर्त्रे श्यामः प्रचोदयात्॥

2. ॐ कत्र स्कन्धाय विद्महे कत्र श्यामाय धीमहि।
तन्नो कत्र श्याम प्रचोदयात्॥

82. शूलिनी गायत्री :

1. ॐ ज्वाला मालिनि विद्महे महाशूलिनि धीमहि।
तन्नो दुर्गा प्रचोदयात्॥

2. ॐ दुं ज्वाला मालिनि विद्महे महा शूलिनि धीमहि।
तन्नो दुर्गः (दुर्गिः) प्रचोदयात्॥

83. श्यामा गायत्री :

ॐ ऐं शुक प्रियायै विद्महे क्लीं कामेश्वरि धीमहि।
तन्नः श्यामा प्रचोदयात्॥

84. माहेश्वरी गायत्री :

ॐ वृष ध्वजायै विद्महे मृग हस्तायै धीमहि।
तन्नो रौद्री प्रचोदयात्॥

85. कौमारी गायत्री :

ॐ शिखि ध्वजायै विद्महे वज्र (शक्ति) हस्तायै-
धीमहि।
तन्नः कौमारी प्रचोदयात्॥

86. इन्द्राणी (माहेन्द्री) गायत्री :

ॐ गज ध्वजायै विद्महे वज्र हस्तायै धीमहि।
तन्नः इन्द्राणी प्रचोदयात्॥

87. सुर गायत्री :

ॐ राजद् ध्वजाय विद्महे वीणा हस्ताय धीमहि।
तन्नः सुरः प्रचोदयात्॥

८८. मातृका गायत्री :

ॐ सर्व शक्तिश्च विद्महे सप्तरूपा च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

८९. सप्तमातृका गायत्री : (ब्राह्मी)

ॐ हंस ध्वजायै विद्महे कूर्च हस्तायै धीमहि।
तन्नो ब्राह्मी प्रचोदयात्॥

९०. तारा गायत्री :

1. ॐ तारायै च विद्महे मनोग्राह्यायै धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

2. ॐ तारायै च विद्महे मनोग्रायै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

3. ॐ तारायै विद्महे महोग्र तारायै धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

९१. छिन्नमस्ता गायत्री :

1. ॐ वैरोचन्यै च विद्महे छिन्नमस्तायै धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

2. ॐ वैरोचिन्यै विद्महे छिन्नमस्तायै धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

९२. धूमावती गायत्री :

ॐ धूमावत्यै च विद्महे संहारिण्यै च धीमहि।
तन्नो धूमा प्रचोदयात्॥

९३. वैष्णवी गायत्री :

ॐ ताक्ष्र्य ध्वजायै विद्महे चक्रहस्तायै धीमहि।
तन्नो वैष्णवी प्रचोदयात्॥

94. वाराही गायत्री :

ॐ महिष ध्वजायै विद्महे दण्डहस्तायै धीमहि।
तन्नो वाराही प्रचोदयात् ॥

95. महामारी गायत्री :

ॐ पिशाच ध्वजायै विद्महे खड्ग हस्तायै धीमहि।
तन्नो मारी प्रचोदयात् ॥

96. श्री नीळा गायत्री :

ॐ महा देव्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च धीमहि।
तन्नो नीळा प्रचोदयात् ॥

97. कामधेनु गायत्री :

ॐ सुभगायै विद्महे कामदात्र्यै च धीमहि।
तन्नो धेनुः प्रचोदयात् ॥

98. जानकी गायत्री : (ॐ सीं- सीतायै नमः)

ॐ जनकजायै विद्महे राम प्रियायै धीमहि।
तन्नः सीता प्रचोदयात् ॥

99. राधा (राधिका) गायत्री : (ॐ रां राधिकायै नमः)

ॐ वृषभानुजायै विद्महे कृष्ण प्रियायै धीमहि।
तन्नो राधिका प्रचोदयात् ॥

100. सरस्वती गायत्री : महादेव्यै च विद्महे, ब्रह्मपत्नी च धीमहि।
तन्नो वाणी: प्रचोदयात् ॥

1. ॐ ये ये सर्व प्रिय वाग् विद्महे क्रीं वागीश्वरी धीमहि।
तन्नः शक्तिः प्रचोद यात् ॥

2. ॐ ऐं सर्वप्रियवाग् विद्महे क्रीं वागीश्वरी धीमहि।
तन्नः शक्तिः प्रचोदयात् ॥

3. ॐ ऐं वाग्देव्यै च विद्महे कामराजाय धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात् ॥

4. ॐ हृल्लेखायै विद्महे भुवनेश्वर्यै धीमहि।
तन्नः शक्तिः प्रचोदयात्॥

5. ॐ सर्व मोहिन्यै विद्महे विश्व जनन्यै धीमहि।
तन्नः शक्तिः प्रचोदयात्॥

104. बगला मुखी गायत्री :

1. ॐ बगला मुख्यै च विद्महे दुष्ट स्तंभिन्यै च धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥

2. ॐ ऐं बगला मुखी विद्महे ॐ क्लीं कान्तेश्वरि धीमहि।
ॐ सौः तन्नः प्रह्लीं (प्रह्ल्रीं) प्रचोदयात्॥

3. ॐ ब्रह्मास्त्राय विद्महे महा स्तंभिनि धीमहि।
तन्नो बगला प्रचोदयात्॥

4. ॐ ह्लीं (ह्ल्रीं) ब्रह्मास्त्र विद्यायै विद्महे पीतांबरायै धीमहि।
तन्नो बगला प्रचोदयात्॥

5. ॐ बगलांबायै विद्महे ब्रह्मास्त्र विद्यायै धीमहि।
तन्नः स्तंभिनी प्रचोदयात्॥

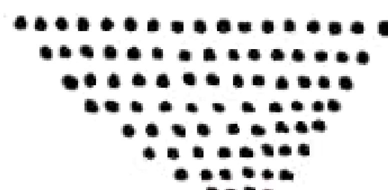
6. ॐ कुल कुमार्यै विद्महे पीतांबरायै धीमहि।
तन्नो बगला प्रचोदयात्॥

105. मातंगी गायत्री :

ॐ मातंग्यै च विद्महे उच्छिष्ट चाण्डाल्यै (च) धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥
शुकप्रियायै च विद्महे, श्रीकामेश्वर्यै च धीमहि, तन्नः श्यामा प्रचोदयात्॥

106. त्वरिता गायत्री :

ॐ त्वरिता देव्यै विद्महे महा नित्यायै धीमहि।
तन्नो देवी प्रचोदयात्॥



107. सुन्दरेश्वर :

ॐ मधुरानाथाय विद्महे, भक्तवत्सलाय धीमहि।
तन्नः सुन्दरेशः प्रचोदयात् ॥

108. मीनाक्षी :

ॐ शुकहस्तायैच विद्महे, पाण्ड्य कुमार्यैच - धीमहि। तन्नो मीनाक्षीः प्रचोदयात् ॥

109. गंगा

ॐ भागीरथ्यैच विष्णुपद्यैच धीमहि।
तन्नो गंगाः प्रचोदयात् ॥

110. वृन्दा (तुलसी)

ॐ तुलसीपत्रायै विद्महे, विष्णुप्रियायै धीमहि।
तन्नो वृन्दाः प्रचोदयात् ॥

111. सोम :-

नक्षत्रेशाय विद्महे, अमृतांशाय धीमहि।
तन्नः सोमः प्रचोदयात् ॥

112. ब्रह्मदेव :-

लोकाधिपाय विद्महे, चतुर्वक्त्राय धीमहि।
तन्नो, ब्रह्म प्रचोदयात् ॥

113. हयग्रीव :-

वागीश्वराय विद्महे, हयग्रीवाय धीमहि।
तन्नो हंसः प्रचोदयात् ॥

~~114. विश्वकर्मा~~

शिल्पकराय विद्महे, शिल्पाचार्याय धीमहि
तन्नो विश्वकर्मणः प्रचोदयात् ॥